

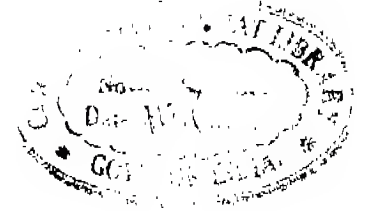


# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 70 ]  
No. 70 ]

नई दिल्ली, बुध्स्पतिवार, फरवरी 20, 1997/ फाल्गुन 1, 1918  
NEW DELHI, THURSDAY, FEBRUARY 20, 1997/PHALGUNA 1, 1918

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 18 फरवरी, 1997

सा. का. नि. 84 (अ).—यतः केन्द्रीय सरकार ने निम्नलिखित व्यक्तियों पर अपराध करने के कारण, शासकीय गुप्त बात अधिनियम, 1923 (1923 का 19) के विभिन्न उपबंधों के अंतर्गत मुकदमा चलाने के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को स्वीकृति प्रदान कर दी है :

- (1) प्रो. के. वी. थामस
- (2) कैप्टन एस. एम. फुर्ताडो
- (3) श्री फिलीप्पे एल्ले
- (4) श्री फ्रैंकोइस क्लावेल

अतः अब, शासकीय गुप्त बात अधिनियम, 1923 (1923 का 19) की धारा 13 की उपधारा-1 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम के उपबंधों के अधीन अपराधियों पर मुकदमा चलाने के लिए मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, एर्नाकुलम को अधिकृत करती है।

[सं. II/17017/10/96-आई.एस.(यू.एस.डी.-II)]

शशि प्रकाश, संयुक्त सचिव

**MINISTRY OF HOME AFFAIRS****NOTIFICATION**

New Delhi, the 18th February, 1997

**G.S.R. 84 (E).**—Whereas the Central Government has given sanction for the prosecution of the following persons for commission of offences under various provisions of the Official Secrets Act, 1923 (19 of 1923) to the CBI :

- (1) Prof. K.V. Thomas
- (2) Capt. S.M. Furtado
- (3) Mr. Phillippe Elle
- (4) Mr. Francois Clavel

Now, therefore, in exercise of powers conferred by Sub-section 1 of Section 13 of the Official Secrets Act, 1923 (19 of 1923) the Central Government hereby empowers the Chief Judicial Magistrate, Ernakulam to try the offenders under the provisions of the said Act.

[No. II/17017/10/96-IS(USD. II)]

SHASHI PRAKASH, Jt. Secy.